

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 191] नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 4, 1970/कार्तिक 13, 1892

No. 191] NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 4, 1970/KARTIKA 13, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह प्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

NOTIFICATION

CUSTOMS

New Delhi, the 4th November 1970

**G.S.R. 1875.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 79 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Baggage Rules, 1970, namely:—

1. These rules may be called the Baggage (Second Amendment) Rules, 1970.
2. In rule 8 of the Baggage Rules, 1970 (hereinafter referred to as the said rules), after the words "In respect of officers and members of the crew", the brackets, words, figure and letter "(other than those specified in rule 8A)" shall be inserted.
3. After rule 8 of the said rules, the following rule shall be inserted, namely:—

"8A. Special concession to certain category of officers and members of the crew.—(1) Rules 4 and 9 shall not apply to any officer or member of the crew who was engaged prior to the 27th May, 1970, in a foreign-going vessel and who on or after that date had declared for the first time his baggage to the Master of the Vessel in accordance with the directions issued by such Master.

(2) Any officer or member of the crew aforesaid may be allowed to import free of duty articles not exceeding eight hundred rupees in value, if the proper officer is

satisfied that such articles are for the use of the person importing them or his family or for making gifts or souvenirs:

Provided that in the case of an officer or a member of the crew aforesaid who is finally paid off on termination of his engagement for a period exceeding three months, the value of the articles which he may be allowed to import free of duty shall be subject to a maximum of one thousand and six hundred rupees in all, be increased by one hundred and sixty rupees for each completed month in excess of three months."

[No. 96/F. No. 5/89/70-Cus.VI.]

J. DATTA, Dy. Secy.

### वित्त मंत्रालय

### (राजस्व और बीमा विभाग)

### अधिसूचना

### सीमा शुल्क

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 1970

सा०का०नि० 1875—सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 79 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार सामान नियम, 1970 में और भागे संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. ये नियम सामान (द्वितीय संशोधन) नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।
2. सामान नियम, 1970 (जिससे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 8 में "अधिकारियों और कर्मियों के सदस्यों की बाबत" शब्दों के पश्चात् "नियम 8-क में विनिर्दिष्ट से मिस्र)" कोष्ठक, शब्द, अंक और अक्षर अन्तःस्थापित किए जाएंगे।
3. उक्त नियमों के नियम 8 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

8-क कतिपय प्रवर्ग के अधिकारियों और कर्मियों के सदस्यों को विशेष रियायत—

- (1) नियम 4 और 9 किसी उस अधिकारी या कर्मिंदल के सदस्य को लागू नहीं होंगे जो 27 मई, 1970 से पूर्व विदेश जाने वाले जलयान में नियुक्त था और जिसने उस तारीख को या उसके पश्चात् जलयान के मास्टर को उस मास्टर द्वारा जारी किए गए निदेशों के अनुसार अपना सामान प्रथम बार घोषित किया था।
- (2) पूर्वोक्त किसी अधिकारी या कर्मिंदल के सदस्य को घाठ सौ रूपए से अनधिक मूल्य की वस्तुएं निशुल्क आयात करने की अनुज्ञा दी जा सकती है, यदि समुचित अधिकारी का यह समाधान हो जाए कि ऐसी वस्तुएं उन्हें आयात करने वाले व्यक्ति के या उसके कुटुम्ब के उपयोग के लिए या दान या स्मृति उपहार देने के लिए हैं;

परन्तु उस पूर्वोक्त अधिकारी या कर्मिदल के सदस्य की वशा में जिसका तीन मास से अधिक की कालावधि के लिए उसके नियुक्ति के पर्यवसान पर अन्तिम रूप से हिसाब कर दिया गया है उन वस्तुओं का मूल्य जिन्हे उसे निशुल्क आयात करने की अनुज्ञा दी जाए, तीन मास से अधिक प्रति पूर्ण मास के लिए एक सौ साठ रुपए बढ़ा दिया जाएगा। जो कुल मिलाकर अधिकतम एक हजार छह सौ रुपए हो सकता है।

[सं 96/एफ०सं० 5/39/70-सी०शु०VI]

ज्योतिर्मय दत्त, उप सचिव।

